“ओ मईया, श्रृंगार तेरा लाल है” ॥

“ओ मईया, श्रृंगार तेरा लाल है” ॥
*लाल लाल चुनर, और लाल है चोला ॥,
रौली का तिलक, माथे लाल लाल है,
“ओ मईया, श्रृंगार तेरा लाल है” ॥

*मन चाहा वर, देने वाली ।
रखियो मेरे, सिंधूर कि लाली ।
तेरे हाथों, सुहाग की लाज़ है,
“ओ मईया, श्रृंगार तेरा लाल है” ॥

*लाल लाल मेहँदी, हाथों में रचाई ।
लाल चुनर, सितारों जड़वाई ।
चूड़ा लाल लाल, कलाई में कमाल है,
“ओ मईया, श्रृंगार तेरा लाल है” ॥

*लाल बिंदियाँ तो, माथे लगे प्यारी ।
लाल साड़ी में माँ लागे, जग से न्यारी ।
लाल रंग का, सजा भैरों तेरे नाल है,
“ओ मईया, श्रृंगार तेरा लाल है” ।

t

eAstroHelp